http://www.uoronline.com

B.A. (Part II) EXAMINATION, 2019

संस्कृत साहित्य

द्वितीय प्रश्न-पत्र—नाटक, छन्द, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

Time Allowed : Three Hours   Maximum Marks : 100

PART-I (SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS)   **M.M. : 30**

भाग-I (लघूत्तरात्मक प्रश्न)   **अधिकतम अंक : 30**

प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिसमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। जिस प्रश्न-पत्र में संस्कृत अनुवाद/निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं है।

1. शकुन्तला का किस ऋषि के आश्रम में पालन-पोषण हुआ ?
2. राजा दुष्यन्त के अनुसार कामीजनों का समूह किनके द्वारा ठगा जाता है ?
3. महर्षि दुर्वासा ने शकुन्तला को क्या शाप दिया ?
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् का चतुर्थ अंक किस रस से परिपूर्ण है ?
5. दुष्यन्त का अपने पुत्र व पत्नी से कहाँ मिलन होता है ?
6. उपेन्द्रवज्रा छन्द का लक्षण लिखिए ?
7. जब बिना कारण के कार्य की उत्पत्ति बताई जाती है तब कौन-सा अलंकार होता है ?
8. संस्कृत साहित्य के उपजीव्य ग्रंथ किन्हें कहा जाता है ?
9. भास के महाभारत पर आधारित नाटकों का नाम लिखिये ?
10. कालिदास को 'दीपशिखा' कालिदास क्यों कहा जाता है ?
11. 'वैराग्य शतक' किसकी रचना है ?
12. दण्डी द्वारा विरचित तीन ग्रंथ कौनसे हैं ?
13. स्व. भट्ट मथुरानाथ शास्त्री की जन्मस्थली कहाँ है ?
14. पण्डित मधुसूदन ओझा रचित किन्हीं दो ग्रन्थों के नाम लिखिए ?
15. किन्हीं दो गीति काव्यों का नामोल्लेख कीजिए।

PART-II (DESCRIPTIVE)   **M.M. : 70**

भाग-II (वर्णनात्मक प्रश्न)   **अधिकतम अंक : 70**

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए—

7+7=14

(क) ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने बद्धदृष्टिः
पश्चार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्।
दर्भैरर्धावलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा
पश्योदग्रप्लुतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्यां प्रयाति॥

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

(ख) वाचं न मिश्रयति यद्यपि मद्वचोभि:

कर्णं ददात्यभिमुखं मयि भाषमाणे।

कामं न तिष्ठति मदाननसम्मुखीना

भुयिष्ठमन्यविषया न तु दृष्टिरस्या:॥

(ग) न नमयितुमधिज्यमस्मि शक्तो

धनुरिदमाहितसायकं मृगेषु।

सहवसतिमुपेत्य यै: प्रियाया:

कृत इव मुग्धविलोकितोपदेश:॥

(घ) अनाघ्रातं पुष्पं किसलयमलूनं कररूहै-

रनाविद्धं रत्नं मधुनवमनास्वादितरसम्।

अखण्ड पुण्यानां फलमिव च तद्रूपमनधं,

न जाने भोक्तां कमिह समुपस्थास्यति विधि:॥

2. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ तथा सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

http://www.uoronline.com

7+7=14

(क) रम्यान्तर: कमलिनीहरितै: सरोभि-

श्छायाद्रुमैर्नियमितार्कमयूखताप:।

भूयात्कुशेशयरजो-मृदुरेणुरस्या:

शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्था:॥

(ख) अर्थो हि कन्या परकीय एव

तामद्य संप्रेष्य परिगृहीतु:।

जातो ममायं विशद: प्रकाम

प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा॥

(ग) सतीमपि ज्ञातिकुलैकसंश्रयां

जनोऽन्यथा भर्तृमति विशङ्कते।

अत: समीपे परिणेतुरिष्यते

प्रियाऽप्रिया वा प्रमदा स्वबन्धुभि:॥

(घ) वसने परिधूसरे वसना

नियमक्षाममुखी धृतैकवेणि:।

अतिनिष्करूणस्य शुद्धशीला

मम दीर्घ विरहव्रतं बिभर्ति॥

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

3. "अभिज्ञान शाकुन्तलम् में प्रकृति भी एक पात्र है।" इस कथन की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए। 7

अथवा

'शाकुन्तलम्' के आधार पर काण्व ऋषि का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. निम्नलिखित छंदों में से किन्हीं दो छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण देते हुए घटित कीजिए- 4+4=8

(क) अनुष्टुप

(ख) मालिनी

(ग) वसन्ततिलका

(घ) मन्दाक्रान्ता

5. काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) के आधार पर किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए : 4+4=8

(क) यमक

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) दृष्टान्त

(घ) भ्रान्तिमान

6. "महाभारत एक विश्वकोश है।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट करते हुए इसके वर्ण्यविष्य पर प्रकाश डालिए। 9

अथवा

अम्बिकादत्त व्यास का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'शिवराजविजयम्' का काव्य वैशिष्ट्य लिखिए।

7. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 10

(क). विद्या से मनुष्य की शोभा होती है।

(ख) राजा ब्राह्मण को गाय देता है।

(ग) हम सब विद्यालय जाते हैं।

(घ) श्याम हमेशा परोपकार करता है।

(ङ) देवदत्त पैर से लँगड़ा है।

(च) हरि को भक्ति रूचती है।

(छ) गणेश को नमस्कार है।

(ज) भारत हमारा देश है।

(झ) परिश्रम का फल अवश्य मिलता है।

(ञ) छात्रों में राम श्रेष्ट है।

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com
http://www.uoronline.com